

2

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पिडावा जिला झालावाड (राज.)

पीठासीन अधिकारी:-दिनेश कुमार मीणा आर.ए.एस.

प्रकरण सं० 265/2025

दायर दिनांक: 29.10.2025

उनवान

1. राजस्थान सरकार जयें तहसीलदार तहसील रायपुर जिला झालावाड

प्रार्थी

बनाम

1. अमरसिंह पि. हीरालाल जाति गुर्जर नि. कुटकी तहसील रायपुर
2. मथुराबाई पि. हीरालाल जाति गुर्जर नि. कुटकी तहसील रायपुर
3. सरदारबाई पि. हीरालाल जाति गुर्जर नि. कुटकी तहसील रायपुर

अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र धारा 136 एल.आर.एक्ट

उपस्थिति :-

प्रार्थी :- पैरोकार सरकार

अभिभाषक अप्राथी :- श्री नीलकमल त्रिवेदी

आदेश

दिनांक : 02.12.2025



संक्षिप्त में प्रकरण इस प्रकार है कि ग्राम कुटकी षटवार मण्डन सोयला तहसील रायपुर जिला झालावाड की आराजी खसरा संख्या 494/406 रकबा 0. 0126 हैक्टेयर गैर मुमकिन चाह प्रतिवादीगण के खाते में दर्ज है जिसे आगे वादग्रस्त आराजी के नाम से संबोधित किया गया है। नवीन जमाबंदी संलग्न है आराजी वर्तमान में प्रतिवादी के नाम गैर खातेदारी में दर्ज है। यह कि उक्त नियमन आदेश में प्रतिवादीगण के पिता हीरालाल पि. गंगाराम जाति गुर्जर को गैर खातेदारी दर्ज करने के आदेश होने से बाद चाह नियमन नामान्तरण संख्या 247 दिनांक 16.12.2005 से खसरा संख्या 406 किस्म चारागाह में से प्रतिवादीगण के पिता हीरालाल पि. गंगाराम गुर्जर को गैर खातेदार दर्ज किया गया। नकल नामान्तरण संलग्न है। यह कि आवंटी की मृत्यु होने पर विरासत नामा.सं. 334 दिनांक 28.12.2010 से प्रतिवादीगण को गैर खातेदार दर्ज किया गया। प्रतिवादीगण को उक्त चाह का नियमन सिचाई प्रयोजनार्थ खसरा संख्या 406 किस्म चारागाह से नियमन कर नामान्तरण संख्या 247 दिनांक 16.12.2005 द्वारा श्रीमान उपखंड अधिकारी महोदय के आदेश दिनांक 30.11.2004



उपखण्ड अधिकारी  
पिडावा, जिला झालावाड (राज.)

1




पालना में किया गया था। चूँकि राजस्थान भू राजस्व (सिंचाई प्रयोजनार्थ पम्पिंग सेट लगाने एवं कुआं निर्माण हेतु भूमि आवंटन) नियम 1979 के नियम संख्या 7 उपनियम संख्या (1) में यह भूमि पट्टे पर दिए जाने के प्रावधान है न कि गैर खातेदार दर्ज किये जाने के। अतः प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि ग्राम कुटकी पटवार मण्डल सोयला तहसील रायपुर में खाता संख्या 159 की कुल किता 01 रकबा 0.0126 हैक्टेयर आराजी में अप्रार्थी को गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज करने का आदेश देने की कृपा करें।

2. प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थीगण की तलबी जयें सम्मन की गई। अप्रार्थीगण की ओर से दिनांक 24.11.2025 को अभिभाषक श्री नीलकमल त्रिवेदी ने उपस्थित होकर वादग्रस्त आराजी में दर्ज गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज करने एवं लीजरेन्ट जमा करवाने हेतु सहमति देकर इन्ही तथ्यों को बहस मानने का निवेदन किया।

3. प्रार्थी परोकार सरकार द्वारा प्रार्थना पत्र के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य में पटवारी हल्का सोयला की रिपोर्ट, ग्राम कुटकी की सं. 2077-2080 की खसरा गिरदावरी, ग्राम कुटकी का नामा.सं. 247 दिनांक 16.12.2005, नामा.सं. 334 दिनांक 28.12.2010, जमाबंदी सं. 2073-76 के खाता सं. 159, जमाबंदी सं. 2061-64 के खाता सं. 138, नक्शा ट्रेस व उपखण्ड अधिकारी पिडावा का आदेश दिनांक 30.11.2004 नकल पेश की।

4. प्रार्थी पैराकार सरकार एवं अभिभाषक अप्रार्थीगण की बहस सुनी गई। परोकार सरकार ने बहस के दौरान प्रार्थना पत्र में अंकित बिन्दुओं को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम कुटकी के खाता सं. 159 के ख.नं. 494/406 रकबा 0.0126 गे.मु. चाह अप्रार्थीगण अमरसिंह, मथुराबाई, सरदारबाई पिस. हीरालाल जाति गुर्जर नि. कुटकी गैर खातेदार के नाम दर्ज रिकार्ड है, जो कि गलत है। अप्रार्थीगणगण को उक्त वादग्रस्त आराजी सिंचाई प्रयोजनार्थ राजस्थान भू राजस्व (सिंचाई प्रयोजनार्थ कुयें खादने एवं पम्प लगाने के लिये भूमि आवंटन) नियम 1979 के नियम 12 (क) के अधीन सिवायचक भूमि में अतिक्रमण कर



  
उपखण्ड अधिकारी  
पिडावा, जिला झालावाड़ (राज०)

4

बनाये गये अवैध कुएं को नियमितकरण कर प्रति वर्ष 24/- की लीज रेन्ट जमा कराने की शर्त पर लीज पर दी गई थी परन्तु अप्रार्थीगण द्वारा 10 वर्षों के पश्चात ना तो उक्त लीज दिनांक 30.11.2004 को रिन्यूवल नहीं कराया गया व ना ही नियमित रूप से लीज रेन्ट जमा कराई है। अतः उक्त नियमितकरण के गलत आदेश व पालना से प्रतिवादीगण को लीजधारक दर्ज करने की बजाय गैर खातेदार दर्ज किया गया जो कि विधिविरुद्ध होने से गैर खातेदार के स्थान पर लीज धारक के रूप में दर्ज करने के आदेश प्रदान किये जावे।

5. पैरोकार सरकार ने आगे तर्क किया कि अप्रार्थीगण ने दिनांक 24.11.2025 की आदेशिका में गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज करने एवं लीजरेंट की राशि की जमा करवाने हेतु सहमति प्रदान की है।

6. पैराकार सरकार एवं अभिभाषक अप्रार्थीगण की सहमति बहस के प्रकाश में पत्रावली का अवलोकन किया गया। तहसीलदार द्वारा पेश ग्राम कुटकी के खाता सं. 159 के ख.नं. 494/406 रकबा 0.0126 गे.मु. चाह अप्रार्थीगण अमरसिंह, मथुराबाई, सरदारबाई पिस. हीरालाल जाति गुर्जर नि. कुटकी गैर खातेदार में दर्ज रिकार्ड है। तहसीलदार द्वारा पेश ग्राम कुटकी के नामा.सं. 247 दिनांक 16.12.2005 के अवलोकन से जाहिर है कि नामान्तरण पंजिका के पैरा सं. 14 व 16 में " चाह नियमन आदेश श्रीमान उपखण्ड अधिकारी पिडावा के आदेशानुसार लीजरेंट 24/- प्रतिवर्ष वसूल हो। श्रीमान उपखण्ड अधिकारी पिडावा के आदेशानुसार ख.नं. 406 रकबा 5-15 बीघा में से 0-01 बीघा चाह नियमन हीरालाल पि. गंगाराम गुर्जर नि. कुटकी के गैरखातेदारी दर्ज हुई नामा. प्रस्तुत है उचित आदेश फरमाये " का अंकन है। अतः जाहिर है कि उपखण्ड अधिकारी पिडावा द्वारा सरकारी भूमि ख.नं. 494/406 किस्म चरागाह में से 0-01 बीघा भूमि पर बने चाह का आवंटन नियम 1979 के अधीन नियमन किया गया था। न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पिडावा के नियमन/आवंटन आदेश दिनांक 30.11.2004 अनुसार उपखण्ड अधिकारी पिडावा द्वारा चरागाह भूमि ख.नं. 494/406 रकबा 0-01 बीघा पर अप्रार्थीगण अमरसिंह, मथुराबाई, सरदारबाई पिस. हीरालाल जाति गुर्जर नि. कुटकी द्वारा खोदे गये एवं कृषि भूमि की

उपखण्ड अधिकारी  
पिडावा, जिला झारखण्ड (राज०)

लीज रेन्ट जमा कराने पर गैरखातेदार दर्ज करने के आदेश दिये गये थे जिसकी पालना में लीजरेंट 336/- पट्टा शुल्क 25/- कीमत जमीन 500/- कुल 1091/- राशि रसीद नं. 07269/39 से जमा राज हुई।

7. राजस्थान भूराजस्व (सिंचाई प्रयोजनार्थ कुएं खोदने एवं पम्प सेट स्थापित करने हेतु भूमि आवंटन) नियम 1979 के नियम 7 के अनुसार इन नियमों के अधीन भूमि आवंटन/नियमन 8 शर्तों पर किया जाता है। नियम 7 की प्रथम शर्त (i) के अनुसार इस नियम के अधीन भूमि का आवंटन/नियमन लीज पर किया जावेगा और उक्त लीज 10 वर्ष या सिंचाई उद्देश्यों के लिए कुएं या पम्प सेट को उपयोग में लिए जाने का समयावधि में से - जो भी पहले हो- के लिए होगी। अतः उक्त दोनो शर्तों के अनुसार इन नियमों के अधीन भूमि अधिकतम 10 वर्षों के लिए लीज पर लिए जाने का प्रावधान है। उक्त प्रावधानों के अधीन आवंटित/नियमित भूमि को खातेदारी या गैरखातेदारी के रूप में दर्ज किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है। उक्त 10 वर्षों की लीज को समाप्त होने पर प्रार्थी या लीजधारक द्वारा इसे सक्षम अधिकारी से अगले 10 वर्षों के लिए नवीनीकरण कराया जा सकता है। नियम 7 के प्रावधान/शर्तें निम्नानुसार हैं -

**Rule 7. Conditions of allotment.**- All allotment of land under these rules shall be subject to the following conditions (i) the land shall be given on Lease; (ii) One time lease money, equal to the price at the prevalent rates, recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, or the rates approved by the Inspector General of Stamps under sub-rule (1) or rule 58 of the Rajasthan Stamp Rules, 2004, or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of rule 58 of the Rajasthan Stamp Rules, 2004, Whichever is Higher, shall be charged. (iii) The lease shall be for a period of ten years, or for so long as the lessee uses the well or the pumping set for purpose of irrigation, whichever is less, renewable at the end of twenty years for further

उपखण्ड अधिकारी  
पिड़ावा, जिला मारवाड़ (राज०)

6

similar periods. The State Government may terminate the lease earlier than the period of lease when considered necessary, after giving an opportunity of being heard to the lessee; (iv) the lessee shall have no right to sell, lease or sublet any portion of the land to any person or body of persons without the previous sanction of the Government; (v) the land shall be used only for the purpose for which it has been let out and for such allied purposes as are required for the lifting of water and its supply to the field to be irrigated; (vi) no permanent structure or buildings, except well and pump house shall be erected on the land without the previous sanction of the Government; (vii) The allottee shall have to dig the well or install a pumping set as the case may be within two years of the allotment; (viii) On failure to fulfil any of the terms and conditions of lease, the lease shall be liable to cancellation and the land shall be taken back by the Government and in the event of such resumption, the lessee shall not be entitled to any compensation for any structure etc. that he may have put up.



8. उपखण्ड अधिकारी/सक्षम अधिकारी द्वारा भूमि के आवंटन/नियमन के बाद उक्त आवंटन नियमों के नियम सं. 8 के अनुसार आवंटन या नियमन की तारीख से 15 दिन के अंदर Form No. A में जिला कलक्टर/तहसीलदार एवं लीजधारक के मध्य लीज डीड निष्पादित कराना आवश्यक था। पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार उभयपक्ष के मध्य आज दिनांक तक ऐसी कोई लीज डीड निष्पादित नहीं होना जाहिर होता है और लीज डीड के अभाव में ऐसे आवंटन/नियमन का नामान्तरण या राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद नहीं किया जा सकता है। उक्त प्रकरण में परोकार सरकार द्वारा तत्कालीन तहसीलदार द्वारा वादग्रस्त आराजी को बिना लीज डीड के और लीज धारक दर्ज करने के बजाय नियम 7 के विरुद्ध टाईपिंग त्रुटीवश गैरखातेदार दर्ज करना स्वीकार किया है।

42  
उपखण्ड अधिकारी  
पिड़वा, जिला मन्दावाड़ (राज०)

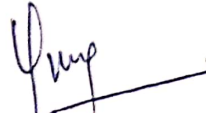
9. हस्तगत प्रकरण में प्रार्थी परोकार सरकार द्वारा उपखण्ड अधिकारी पिडावा के आदेश दिनांक 30.11.2004 की सक्षम न्यायालय में अपील पेश करने का कोई उल्लेख नहीं किया है बल्कि राजस्व रिकार्ड में तत्कालीन तहसीलदार द्वारा आदेश का अमल दरामद करते समय आवंटी/अतिकमी को लीज धारक दर्ज नहीं करके गलत तरीके से गैरखातेदार दर्ज करने की प्रविष्टि को दुरुस्त कराने के लिए यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एल.आर.एक्ट पेश किया गया है। धारा 136 एल.आर.एक्ट के अधीन राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद के दौरान राजस्व कार्मिको द्वारा लिपीकीय/टाईपिंग त्रुटी से दर्ज की गई अशुद्धि को दुरुस्त किये जाने के प्रावधान है।

10. उपरोक्त विवेचन व विश्लेषण एवं साक्ष्य के आधार पर ग्राम कुटकी तहसील रायपुर की आराजी खसरा नं. 494/406 रकबा 0.0126 है. गैर मुमकिन चाह के संबंध में राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज दुरुस्ती का प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एलआरएक्ट न्यायहित में स्वीकार किये जाने योग्य है।

—::क्रियात्मक आदेश::—

11. परिणामस्वरूप प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एल.आर.एक्ट बावत दुरस्ती इन्द्राज न्यायहित में स्वीकार किया जाता है। ग्राम कुटकी तहसील रायपुर की आराजी खसरा नं. 494/406 रकबा 0.0126 है. गैर मुमकिन चाह में प्रविष्टि को दुरुस्त कर गैर खातेदार के स्थान पर लीजधारक दर्ज की जावे। लीज अवधि नियमानुसार नवीनीकरण नहीं कराये जाने पर तहसीलदार नियम 7 व 13 के अनुसार कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र है। तहसीलदार रायपुर उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में इन्द्राज दुरुस्त करे।

यह निर्णय आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(दिनेश कुमार मीणा, आरएएस)  
उपखण्ड अधिकारी, पिडावा  
पिडावा, जिला सागर, राजस्थान

